जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 346 प्रभात हिण्डौन सिटी, रविवार 19 अक्टूबर, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

'पाकिस्तान एक शांतिप्रिय देश है'

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह कहते हुए पाकिस्तान को चेतावनी दे डाली कि ब्रह्मोस मिसाइल की रेंज में पाकिस्तान की एक-एक इंच ज़मीन आ चुकी है। इसके जवाब में पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल सैयद आसिम मुनीर ने भी किसी भी उकसावे पर "निर्णायक जवाब" देने की चेतावनी दे दी। इस

- पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष सैयद आसिम मुनीर ने साथ में यह भी कहा कि पाकिस्तान के, विश्व की दो ताकतों, चीन व अमेरिका से मजबूत संबंध हैं।
- "अगर भारत-अफगानिस्तान को उकसाता रहा तो पाकिस्तान करारा जवाब देगा।"

ज़बानी लड़ाई में दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव बढ़ गया है।

पाकिस्तान सैन्य अकादमी, काकुल (एबटाबाद) में कैडेट्स की पासिंग आउट परेड में बोलते हुए जनरल मुनीर ने कहा, "मैं भारत के सैन्य नेतृत्व को सलाह, बल्कि सख्त चेतावनी देता हूँ कि परमाणु हथियारों वाले माहौल में युद्ध के लिए कोई जगह नहीं है।"

उन्होंने कहा, "हम किसी भी

(शेष पृष्ठ 5 पर)

अंततोगत्वा "टाको" ट्रंप अपनी प्रतिष्ठा पर खरे उतरे

अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति में ट्रंप को टाको बेवजह नहीं कहते। टाको का अर्थ है, "ट्रंप ऑलवेज़ चिकन्स आउट", क्योंकि ट्रंप अपनी धमकियों से पीछे हट जाया करते हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- वाइट हाउस में ज़ैलेन्स्की से लंबी मुलाकात के बाद ट्रंप ने साफ कह दिया कि टॉमाहॉक मिसाइल यूक्रेन को नहीं दी जायेगी, रूस के खिलाफ इस्तेमाल करने के लिए।
- कल तक ट्रंप दंभपूर्वक कह रहे थे, वे यूक्रेन को टॉमाहॉक मिसाइल देंगे, जिससे युद्ध में यूक्रेन, रूस को पानी पिला देगा।
- अगर टॉमाहॉक यूक्रेन को दी गई तो रूस हर मुद्दे पर कमर कस के लड़ेगा।
- चेतावनी का असर हुआ और ट्रंप "चिकन आउट हुए" (पीछे हट गए)।

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। यूक्रेन युद्ध अब अपने अंत के करीब लगता है, हालांकि यह अंत शायद यूक्रेन, यूरोपीय संघ या अमेरिका की शर्तों पर नहीं, बल्कि रूस की शर्तों पर हो सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर अपनी उसी छवि को साकार कर दिया है, जिसे लोग "ट्रंप ऑलवेज़ चिकन्स आउट" या "टाको" कहते हैं। यानि, ट्रंप अपनी धमकियों से हमेशा पीछे हट जाते हैं। वाइट हाउस में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की से मुलाकात के बाद ट्रंप ने यह साफ कर दिया कि अमेरिका यूक्रेन को अमेरिकी निर्मित "टॉमाहॉक मिसाइलें" नहीं देगा।

यूक्रेन के लिए जो ऊँची उम्मीदें बंधी थीं, वे उस समय धराशायी हो गईं जब ट्रंप और ज़ेलेंस्की की द्विपक्षीय बैठक के बाद यह स्पष्ट बयान आया कि अमेरिका द्वारा बनाई गई "टॉमाहॉक" मिसाइलें, यूक्रेन को रूस के खिलाफ उसके लंबी दूरी के हमलों के लिए नहीं दी जाएँगी।

इससे पहले डॉनल्ड ट्रंप ने बड़े-बड़े दावे किए थे कि वे यूक्रेन को अत्यंत सटीक और विनाशकारी टॉमाहॉक मिसाइलें देंगे ताकि वह रूस के साथ अपनी लंबी दूरी की लड़ाई जारी रख सके। अमेरिका के युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने भी सार्वजनिक रूप से कहा था कि अगर रूस ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध खत्म नहीं किया, तो अमेरिका समान स्तर पर युद्ध लड़ने के लिए यूक्रेन को "मारक क्षमता" उपलब्ध कराएगा।

असल में, यूक्रेन को टॉमाहॉक मिसाइलें मिलने की चर्चा ने रूस के सुरक्षा तंत्र में भय का माहौल पैदा कर दिया था। इस धमकी को गंभीरता से लेते हुए रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने चेतावनी दी थी कि अगर अमेरिका यूक्रेन को टॉमाहॉक मिसाइलें देता है, तो अमेरिका और रूस के रिश्ते बुरी तरह प्रभावित होंगे।

रूस ने यह भी धमकी दी थी कि वह यूक्रेन के खिलाफ अपने सैन्य अभियान और तेज़ करेगा और अन्य क्षेत्रों में भी बड़ी बाधाएं पैदा करेगा। संकेत थे कि यूरोपीय संघ को भी जवाबी कार्यवाही का सामना करना पड़ेगा। कुछ मिलाकर, इसका अर्थ यह होता कि अमेरिका को भी सीधे टकराव का सामना करना पड़ेगा।

यह सब सुनने के बाद ट्रंप डर गए और तुरंत अपना रुख बदल लिया।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

कांग्रेस 60 सीटों पर चुनाव लड़ेगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में राजद और अन्य छोटी पार्टियों के साथ बने महागठबंधन

- तेजस्वी महागठबंधन का चेहरा घोषित।

के तहत 60 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। शनिवार को मिली जानकारी के अनुसार, लालू प्रसाद यादव के पुत्र और राजद नेता तेजस्वी यादव गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे।

यह स्पष्टीकरण ऐसे समय में आया है, जब शुक्रवार को महागठबंधन की

(शेष पृष्ठ 5 पर)

दिल्ली के सांसद फ्लैट्स में आग

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। राजधानी दिल्ली में सांसदों को आंवटित नए बहुमंज़िला फ्लैट्स में शुक्रवार दोपहर आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा

- हाल ही में बने इस ब्रह्मपुत्र अपार्टमैंट में कुछ सांसद रह रहे हैं।

ली गई वीडियो में सांसदों के फ्लैट्स वाले ब्रह्मपुत्र अपार्टमेंट्स से घना धुआँ उठता हुआ दिखाई दिया।

फायर विभाग के एक अधिकारी ने

(शेष पृष्ठ 5 पर)

बिहार में मुसलमानों का राजनीतिक महत्व क्यों घटता जा रहा है?

प्रदेश में 17.7 प्रतिशत जनसंख्या मुसलमानों की है, इस बार आरजेडी ने तीन मुसलमानों को, जदयू ने चार व कांग्रेस ने भी चार मुसलमानों को टिकट दिया है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- सत्तासी सीटों पर मुसलमान मतदाता 20 प्रतिशत हैं। सीमांचल जिलों में तो जनसंख्या 40 प्रतिशत है और कहीं-कहीं तो 67 प्रतिशत है।
- राजनीतिक महत्व कम होने का मुख्य कारण वोटों का विभाजन है।
- वर्ष 2010 व 2015 के चुनावों में मुसलमानों ने वोट जदयू को दिये थे। पर, वर्ष 2020 में जदयू के सभी मुसलमान कैंडिडेट हार गए थे। असदुद्दीन ओवैसी के पाँच उम्मीदवार जीते थे, जिनमें से चार जीतने के बाद आरजेडी में शामिल हो गए।

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। बिहार के मुसलमान मतदाताओं के सामने एक गहरी दुविधा खड़ी है – राज्य में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों में समुदाय राजनीतिक प्रक्रिया से लगभग अलग-थलग हो गया है।

राज्य की कुल जनसंख्या में मुसलमानों की हिस्सेदारी 17.7 प्रतिशत है और 87 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 20 प्रतिशत मतदाता मुस्लिम हैं। उत्तर बिहार के सीमांचल ज़िलों में इनकी हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत तक है। कुछ क्षेत्रों, जैसे किशनगंज में, मुस्लिम आबादी 67 प्रतिशत तक है। इसके बावजूद, मुसलमानों की राजनीतिक प्रासंगिकता में गिरावट जारी है और आने वाले चुनावों में यह अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुँच गई है।

243 सदस्यीय विधानसभा की 101 सीटों पर चुनाव लड़ रही सत्तारूढ़ जदयू ने केवल चार मुस्लिम उम्मीदवार उतारे हैं। राजद (आरजेडी) ने अब तक तीन मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया है, जबकि पार्टी की अंतिम सूची अभी जारी नहीं हुई है। एनडीए की अन्य दो सहयोगी पार्टियाँ, जीतन राम मांझी की हम (सेक्युलर) और उपेंद्र कुशवाहा की आरएलएम छह-छह सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं, लेकिन इनमें से किसी ने भी मुस्लिम उम्मीदवार को टिकट नहीं दिया है।

कांग्रेस, जो आनुपातिक प्रतिनिधित्व की प्रबल समर्थक रही है, ने भी केवल चार मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया है (अंतिम सूची आने के बाद इन आँकड़ों में कुछ बदलाव संभव है)। वहीं, भाजपा ने 101 सीटों की अपनी सूची में किसी भी मुस्लिम को टिकट नहीं दिया है।

ऐतिहासिक रूप से देखा जाए तो बिहार के मुसलमान चुनावी रूप से हमेशा कम प्रतिनिधित्व वाले रहे हैं। वर्ष 1985 को छोड़कर कभी भी विधानसभा में मुस्लिम विधायकों की संख्या 10 प्रतिशत से अधिक नहीं रही। वर्ष 1952 से 2020 तक हुए 17 विधानसभा चुनावों में बिहार ने कुल

(शेष पृष्ठ 5 पर)

सिंगर ज़ुबीन की मौत के बारे में गलत सूचना फैलाने वाला युवक गिरफ्तार

असम में युवक द्वारा भ्रामक वीडियो फेसबुक पर अपलोड करने से अशांति भड़कने की आशंका थी।

- युवक ने बताया कि लोगों का ध्यान आकर्षित करने और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए सनसनीखेज वीडियो को संपादित और अपलोड किया था।

गुवाहाटी, 18 अक्टूबर। असम के नागांव जिले में पुलिस ने प्रसिद्ध कलाकार ज़ुबीन गर्ग की मौत से संबंधित एक भ्रामक वीडियो बनाने और उसे प्रसारित करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने कहा कि फेसबुक पर अपलोड किए गए इस वीडियो से जन अशांति भड़कने की आशंका थी।

नागांव के पुलिस अधीक्षक स्वप्ननील डेका ने गिरफ्तारी की पुष्टि की और बताया कि आरोपी की पहचान इंजामुल हक के रूप में हुयी है, जो "एसके अहमद" नाम से फेसबुक पर प्रोफाइल चलाता था। उन्होंने कहा कि लोगों का ध्यान आकर्षित करने और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए सनसनीखेज वीडियो को संपादित और अपलोड किया था।

एसपी ने कहा, "पूछताछ के दौरान हक ने कबूल किया कि उसने जानबूझकर लोगों की भावनाओं को भड़काने और अशांति पैदा करने के लिए वीडियो शेयर किया था।"

पुलिस ने कल असम के नागांव जिले के जुरिया जिले के तेलिया बेबेजिया से युवक को गिरफ्तार किया था। उन्होंने कहा कि इस सिलसिले में जुरिया थाना में धारा 352 और 353(1)(बी) के तहत एक विकृत वीडियो के माध्यम से सामाजिक अशांति फैलाने के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ के दौरान हक ने कथित तौर पर वीडियो को संपादित करने की बात कबूल की है।

उल्लेखनीय है कि असम पुलिस बक्सा में हुई हालिया हिंसा के बाद से सोशल मीडिया पर कड़ी नज़र रख रही है और सभी से ऐसी झूठी और भ्रामक जानकारी फैलाने से बचने का आग्रह किया है।

बिहार में झामुमो महागठबंधन से अलग चुनाव लड़ेगी

रांची, 18 अक्टूबर। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने आज बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन से अलग होकर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने का फैसला लिया है।

झामुमो बिहार में छह सीटों पर अकेले चुनाव लड़ेगी। हालांकि, पार्टी

- झारखंड मुक्ति मोर्चा ने छह सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया।

का मानना है कि यह संख्या बढ़ कर 10 भी हो सकती है। पार्टी महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने आज यहां कहा कि बिहार चुनाव के परिणामों के बाद झामुमो अपनी रणनीति की समीक्षा करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि बिहार में उसकी बिना सरकार न बन सके। भट्टाचार्य ने इस फैसले का कारण बताते हुए कहा कि झामुमो को हमेशा से धोखे का सामना करना पड़ा है।

पाकिस्तान की एक-एक इंच जमीन ब्रह्मोस की जद में : राजनाथ

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने ब्रह्मोस मिसाइल फ्लैग ऑफ सेरेमनी में पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी

- राजनाथ सिंह ने कहा कि जब ब्रह्मोस की चर्चा होती है, तो सभी के जहन में विश्वसनीयता का अहसास होता है। ब्रह्मोस सिर्फ मिसाइल नहीं बल्कि भारत की क्षमता का प्रतीक है। यह मिसाइल भारतीय वायुसेना, नेवी और थल सेना की रीढ़ है।
- राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस ने अपनी ताकत का प्रैक्टिकल करके दिखाया है। हमारे विरोधी अब ब्रह्मोस से बच नहीं पाएंगे। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक ट्रेलर था।

लखनऊ, 18 अक्टूबर। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने एक बार फिर पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की एक-एक इंच जमीन ब्रह्मोस की जद में है। जो भारत पाकिस्तान को जन्म दे सकता है, वो ब्रह्मोस से क्या कर सकता है, ये बताने की जरूरत नहीं है। बता दें कि रक्षा मंत्री ने ये बात ब्रह्मोस मिसाइल फ्लैग ऑफ सेरेमनी में कही।

राजनाथ सिंह इस दौरान ब्रह्मोस की क्षमता और उसकी विश्वसनीयता पर बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब ब्रह्मोस की चर्चा होती है, तो सभी के जहन में विश्वसनीयता का अहसास होता है। ब्रह्मोस सिर्फ मिसाइल नहीं बल्कि भारत की क्षमता का प्रतीक है। यह मिसाइल भारतीय वायुसेना, नेवी और थल सेना की रीढ़ है। राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस ने अपनी ताकत का प्रैक्टिकल करके दिखाया है। हमारे विरोधी अब ब्रह्मोस से बच नहीं पाएंगे। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ एक ट्रेलर था। बता दें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई में निर्मित ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप का अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने ब्रह्मोस की क्षमता का जिक्र करते हुए पाकिस्तान को सख्त चेतावनी डे डाली। बता दें कि ब्रह्मोस मिसाइलें न केवल उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे (यूपीडीआईसी) के लिए एक उपलब्धि है, बल्कि इससे रक्षा निर्माण में आत्मनिर्भरता हासिल करने के भारत के संकल्प को एक नयी ऊर्जा भी मिलेगी। राजनाथ सिंह ने कहा, "मेरी लिए ये अत्यंत गौरव का विषय है आज लखनऊ में ब्रह्मोस स्टेट ऑफ आर्ट बूस्टर इमारत का उद्घाटन हो रहा है। आज का दिन यूपी और लखनऊ के लिए भी बहुत ही महत्वपूर्ण है।

चिराग पासवान ने अमित शाह से मुलाकात की

पटना, 18 अक्टूबर। केन्द्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने महागठबंधन पर हमला करते हुये शनिवार को कहा कि सत्ता की भूख से बने महागठबंधन के पास बिहार के लिये कोई विजन नहीं है।

पासवान ने आज यहां केन्द्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह के साथ हुई मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ऐतिहासिक जीत की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि एक तरफ राजग चट्टान की तरह एकजुट है, जबकि दूसरी तरफ, महागठबंधन अभी भी अपने घटकों के बीच सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप देने के लिए संघर्ष कर रहा है। पासवान ने कहा कि बिहार विधानसभा चुनावों के लिए राजग ने अपने घटक दलों के बीच सीटों के बंटवारे को पहले ही अंतिम रूप दे दिया है। उन्होंने कहा कि राजग के घटकों द्वारा उम्मीदवारों की सूची भी औपचारिक रूप से जारी कर दी गई है, जबकि महागठबंधन अभी भी अपने घटकों के बीच सीटों के बंटवारे को अंतिम रूप देने के लिए संघर्ष कर रहा है।

'कांग्रेस में जीएसटी पर बोलने वालों को शिक्षित किए जाने की जरूरत'

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी व्यवस्था में किये गए सुधारों को सही दिशा में लौटने वाला कदम बताने जैसी कांग्रेस की टिप्पणियों पर तीखी आलोचना की।

- उन्होंने कहा कि जीएसटी की राह मोदी सरकार ने ही निर्धारित की थी और सात-आठ साल के अंदर ही सरकार ने जनता और पूरी अर्थव्यवस्था के फायदे के लिए अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में अब और सुधार किया है।
- सीतारमण ने जीएसटी में सुधार के प्रभाव पर विशेष रूप से आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया।
- उन्होंने जीएसटी में कटौती को अमेरिकी शुल्क नीति या बिहार चुनाव से जोड़ने की बात को भी खारिज किया। उन्होंने कहा कि देश में कहीं न कहीं तो चुनाव लगा ही रहता है।

नयी दिल्ली, 18 अक्टूबर। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में हाल में किये गए सुधारों को सही दिशा में लौटने वाला कदम बताने जैसी विपक्षी कांग्रेस पार्टी की टिप्पणियों को लेकर उसकी तीखी आलोचना की और कहा कि कांग्रेस में जीएसटी पर बोलने वालों को शिक्षित किए जाने की जरूरत है।

सीतारमण ने जीएसटी में सुधार के प्रभाव पर विशेष रूप से आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं जिसमें उनके साथ वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और सूचना एवं प्रसारण, रेल तथा इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी (मेइटी) मंत्रालय के मंत्री अश्विनी वैष्णव भी थे।

सीतारण ने कहा, मेरा ईमानदारी से यह सुझाव है कि कांग्रेस पार्टी की ओर से जीएसटी पर जो भी बोलता है, उसे कुछ पूर्व वित्त मंत्रियों के साथ बिठा कर टिप्पणी करने से पहले उन्हें शिक्षित करना चाहिए।" उनसे पूछा गया था कि कांग्रेस पार्टी जीएसटी सुधारों को सही राह पर लौटने वाला कदम बता रही है और वह इस बात की जवाबदेही भी चाहती है कि इतने समय तक लोगों को जीएसटी के ऊंचे बोझ के नीचे क्यों रखा गया। सीतारमण ने कहा कि कांग्रेस की ओर से बोलने वालों को न जाने कौन सिखाता-पढ़ाता है।

उन्होंने कहा कि जीएसटी की राह मोदी सरकार ने ही निर्धारित की थी और सात-आठ साल के अंदर ही सरकार ने जनता और पूरी अर्थव्यवस्था के फायदे के लिए अप्रत्यक्ष कर प्रणाली में अब और सुधार किया है।

वित्त मंत्री ने कहा कि किसी भी सरकार का कर कम करने का कोई कदम कोर्स करेक्शन (सही दिशा में लौटना) नहीं होता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के दिनों में कर यह 98 प्रतिशत, 91 प्रतिशत तक थे।.. और अगर वे इसे कोर्स करेक्शन कहना भी चाहें, तो कांग्रेस के ज़माने में उन्होंने इसकी कोशिश भी नहीं की थी।

वित्त मंत्री ने कहा, मेरा मानना है कि जीएसटी में कमी लोगों के हित में है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमें यही करने के लिए कह रहे हैं। सात साल, आठ साल के भीतर, कर की दर कम करने का कोई विकल्प सामने आ रहा है। तो यह कोई सही रास्ते पर लौटने जैसी बात नहीं है।

उन्होंने जीएसटी में कटौती को अमेरिकी शुल्क नीति या बिहार चुनाव से जोड़ने की बात को भी खारिज किया। उन्होंने कहा कि देश में कहीं न कहीं तो चुनाव लगा ही रहता है। प्रधानमंत्री मोदी ने -"एक देश, एक चुनाव" का प्रस्ताव रखा। उससे इस तरह के सवालों से बचा जा सकता है। वित्त मंत्री ने कहा, चुनाव आते-जाते रहते हैं। हालाँकि, चुनाव किसी भी नीति पर असर डाल सकते हैं, और नीति का चुनावों पर असर पड़ सकता है। ये ऐसे जुड़े हुए प्रभाव हैं जिनके साथ आपको जीना ही होगा..."

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा " विपक्ष आज लाचार और हताश है। जनता उन्हें एक-एक करके नकार रही है... दुर्भाग्य से विपक्ष को राष्ट्रीय और जनहित की कोई परवाह नहीं है। वे हर चीज़ का राजनीतिकरण करने में लगे हैं, और आज भारत की जनता इसे स्वीकार नहीं करती।" उन्होंने इसी संदर्भ में विभिन्न राज्यों में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की जीत का भी उल्लेख किया।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के कई नेताओं ने सवाल किया था कि सरकार को जीएसटी के स्लैब को घटाने और दरों में कमी में आठ साल क्यों लग गए जबकि वह शुरू से ही जीएसटी के प्रारंभिक डिजाइन को लेकर आगाह कर रही थी। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने दावा किया कि अर्थव्यवस्था जीएसटी लागू किये जाने और नोटबंदी के दोहरे "मोदी-प्रदत्त झटकों" से उबर नहीं पाई है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने जीएसटी को गब्बर सिंह टैक्स बताकर इसकी आलोचना की थी।

मंत्रियों ने कहा कि जीएसटी में सुधार का यह विचार जीएसटी परिषद में एक वर्ष पहले से चल रहा था। उस समय अमेरीकी शुल्कों के विचार की तो छोड़िये, अमेरिका में पिछले चुनाव भी नहीं हुए थे।

सीतारमण ने कहा कि शुरू में जीएसटी की राजस्व निरपेक्ष दर 15 प्रतिशत मानी थी जो 11 प्रतिशत पर आ गयी है।

उन्होंने कहा कि जीएसटी में कमी से लघु एवं मझौले उद्यमों को काफी फायदा हो रहा है। उनके उत्पादन में लगने वाले कच्चे माल और माध्यमिक वस्तुओं के दाम जीएसटी में कमी से घटे हैं। इससे उत्पादन लागत कम हुई है।

वित्त मंत्री ने कहा कि करों में कमी से मांग बढ़ी है। इससे कर आय में भी वृद्धि की संभावना है। उन्होंने जीएसटी में कटौती से निवेश में सुधार की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर कहा कि यह मांग और पूर्ति पर निर्भर करता है। मांग बढ़े पर उद्यमी खुद जरूरत के हिसाब से क्षमता बढ़ाने पर निवेश के निर्णय लेते हैं।

54 साल बाद खोला गया बांके बिहारी मंदिर का खजाना

मथुरा, 18 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद मथुरा के वृंदावन स्थित बांके बिहारी मंदिर का खजाना शनिवार को 54 साल बाद खोला गया।

जिला प्रशासन द्वारा गठित उच्च अधिकार प्राप्त समिति के नेतृत्व में खजाना खोला गया लेकिन खजाने में कोई भी कीमती सामान नहीं मिला है। कई घंटों तक खजाने के लिए तहखाने में काफी खोजबीन की गई। खोजबीन में अभी तक सिर्फ दो बक्से मिले हैं। दोपहर एक बजे खजाना खोला गया और पांच बजे तक खजाने को बंद कर दिया गया।

प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि सिविल जज जूनियर डिवीजन और सेवायतों के साथ मिलकर तहखाना खोला था, फिलहाल तहखाने को फिर से बंद कर दिया गया है और अब आगे कब खोला जाएगा ये अभी बताना मुश्किल है। कुछ बक्से मिले हैं बाकी कोई बहुत कीमती सामान नहीं मिला है।

अभी तक मिली जानकारी के अनुसार यह खजाना 160 साल पुराना बताया जा रहा है। इसे अब से पहले 1971 में खोला गया था उसके अब दीपावली से पहले शनिवार को धनतेरस वाले दिन खोला गया। खजाने के लिए तहखाने को खोलने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी।